

**Fourteenth Loksabha****Session : 10****Date : 01-03-2007****Participants : Gangwar Shri Santosh Kumar****Title: Regarding escaping of two Lashkar terrorists from Lucknow District Court.**

श्री संतो गंगवार (बरेली): सभापति महोदय, मैं बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की ओर सरकार का ध्यान आपके माध्यम से आकर्षित करना चाहता हूँ। देश में आतंकवादी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। लखनऊ का एक समाचार है कि वहां जिला कचहरी में, दो ऐसे आतंकवादी, जिन पर पोटा लगा हुआ है और पाकिस्तान के निवासी है तथा उनमें से एक को फांसी की सजा हुई थी, उन्हें लखनऊ की अदालत में भेजा गया था। वहां वे शौचालय के बहाने गए और बंदूक ले आए। उसके बाद बंदूक लहराते हुए पुलिस की अभिरक्षा से भाग गए। इसमें एक आतंकवादी का नाम सईद उर्फ निसार अहमद और दूसरे का नाम मकसूद उर्फ अशफाक है। ये दोनों पाकिस्तान के रहने वाले थे। इनमें से एक को अगस्त 2004 में अदालत ने मृत्युदंड की सजा भी सुना दी थी। इसके बाद भी केवल एक सब इंस्पेक्टर और दो सिपाही के साथ बिलकुल सामान्य तरीके से अदालत में लाया गया। जिस प्रकार से वे भागे, कचहरी में मौजूद लोगों का मानना है कि जिस प्रकार से इन गंभीर अपराधियों को रखना चाहिए था, उस अभिरक्षा में नहीं ले जाया गया और वे पुलिस अभिरक्षा के बावजूद भागने में सफल हो गए। मैं चाहता हूँ कि सरकार गंभीरता से इस मामले की जांच करे कि किस वजह से वे भागने में सफल हुए और इस संदर्भ में क्या कार्यवाही की गई है?